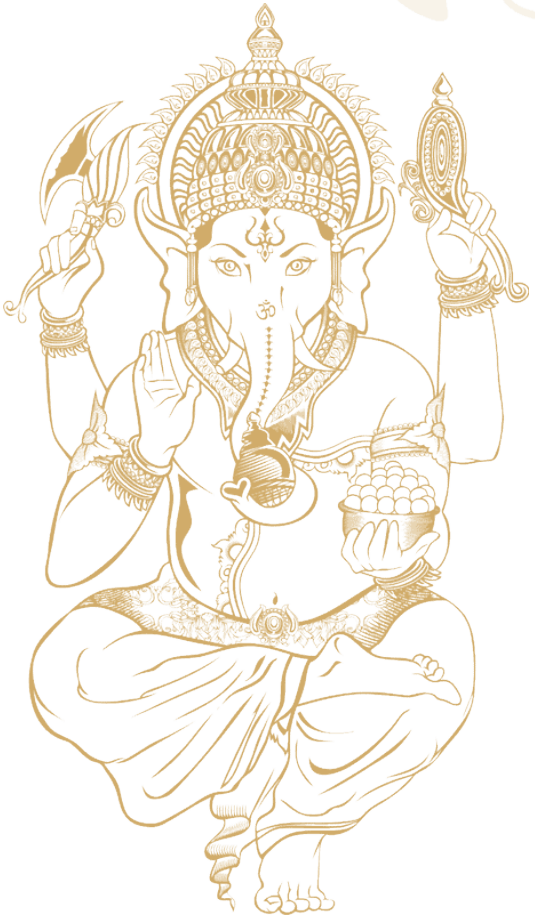

Uday

23 Nov 2017

05:25 AM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121279105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22-23/11/2017**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**05:25:00 घंटे**
इष्ट	57:28:04 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:23:16 घंटे
वेलान्तर	00:13:54 घंटे
साम्पातिक काल	09:31:53 घंटे
सूर्योदय	06:25:46 घंटे
सूर्यास्त	17:10:01 घंटे
दिनमान	10:44:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:46:27 वृश्चिक
लग्न के अंश	22:44:00 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	गण्ड
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:44:00	312:03:45	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	06:46:27	01:00:39	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	25:53:48	11:47:30	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			कन्या	25:35:46	00:37:47	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	28:35:53	01:04:24	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			तुला	15:17:53	00:12:39	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	25:21:18	01:15:22	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि			धनु	02:45:41	00:06:36	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कर्क	23:56:09	00:04:29	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		मक	23:56:09	00:04:29	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	01:08:09	00:01:51	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	17:21:44	00:00:01	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	23:29:10	00:01:31	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
दशम भाव			कर्क	26:28:06	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:13

लग्न-चलित

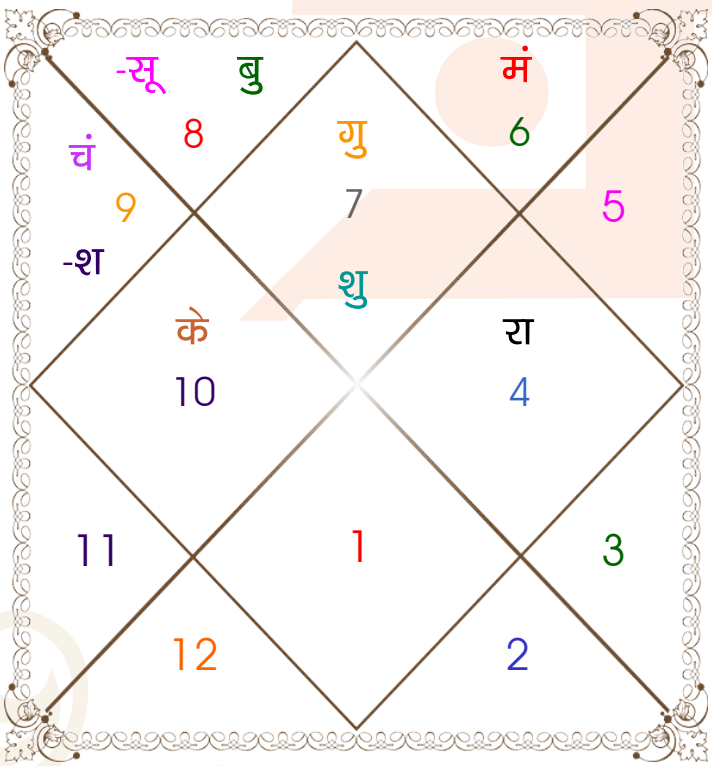

चन्द्र कुंडली

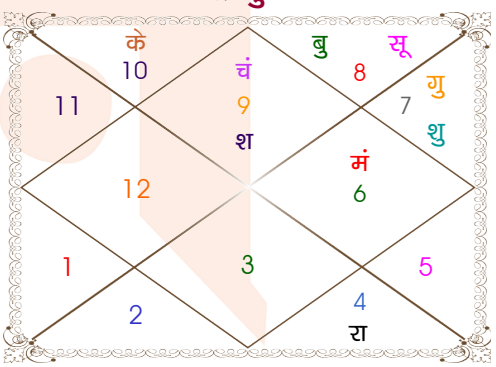

नवमांश कुंडली

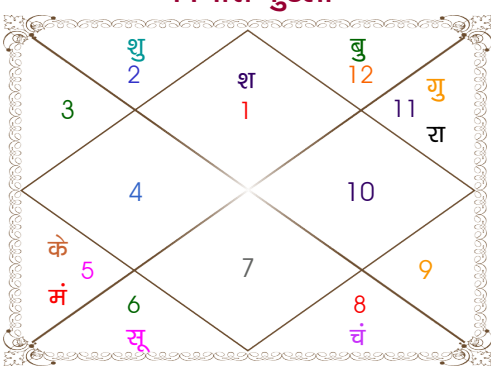

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 1 मास 26 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/11/2017		19/01/2019		18/01/2025		19/01/2035		18/01/2042	
19/01/2019		18/01/2025		19/01/2035		18/01/2042		19/01/2060	
	00/00/0000	सूर्य	08/05/2019	चंद्र	19/11/2025	मंगल	17/06/2035	राहु	01/10/2044
	00/00/0000	चंद्र	07/11/2019	मंगल	20/06/2026	राहु	04/07/2036	गुरु	24/02/2047
	00/00/0000	मंगल	14/03/2020	राहु	19/12/2027	गुरु	10/06/2037	शनि	31/12/2049
	00/00/0000	राहु	05/02/2021	गुरु	19/04/2029	शनि	20/07/2038	बुध	20/07/2052
	00/00/0000	गुरु	25/11/2021	शनि	19/11/2030	बुध	17/07/2039	केतु	07/08/2053
	00/00/0000	शनि	07/11/2022	बुध	19/04/2032	केतु	13/12/2039	शुक्र	07/08/2056
	00/00/0000	बुध	13/09/2023	केतु	18/11/2032	शुक्र	12/02/2041	सूर्य	02/07/2057
	23/11/2017	केतु	19/01/2024	शुक्र	20/07/2034	सूर्य	19/06/2041	चंद्र	31/12/2058
केतु	19/01/2019	शुक्र	18/01/2025	सूर्य	19/01/2035	चंद्र	18/01/2042	मंगल	19/01/2060

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/01/2060		19/01/2076		19/01/2095		20/01/2112		20/01/2119	
19/01/2076		19/01/2095		20/01/2112		20/01/2119		24/11/2137	
गुरु	08/03/2062	शनि	22/01/2079	बुध	16/06/2097	केतु	17/06/2112	शुक्र	21/05/2122
शनि	18/09/2064	बुध	01/10/2081	केतु	14/06/2098	शुक्र	17/08/2113	सूर्य	21/05/2123
बुध	25/12/2066	केतु	10/11/2082	शुक्र	14/04/2101	सूर्य	23/12/2113	चंद्र	19/01/2125
केतु	01/12/2067	शुक्र	09/01/2086	सूर्य	19/02/2102	चंद्र	24/07/2114	मंगल	21/03/2126
शुक्र	01/08/2070	सूर्य	22/12/2086	चंद्र	21/07/2103	मंगल	20/12/2114	राहु	21/03/2129
सूर्य	20/05/2071	चंद्र	23/07/2088	मंगल	17/07/2104	राहु	08/01/2116	गुरु	20/11/2131
चंद्र	18/09/2072	मंगल	31/08/2089	राहु	04/02/2107	गुरु	14/12/2116	शनि	20/01/2135
मंगल	25/08/2073	राहु	07/07/2092	गुरु	12/05/2109	शनि	22/01/2118	बुध	20/11/2137
राहु	19/01/2076	गुरु	19/01/2095	शनि	20/01/2112	बुध	20/01/2119	केतु	24/11/2137

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 1 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति के प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगे।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगे। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन की सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगे। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगे।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगे। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय व्यक्ति हैं। आप अपने जीवन संगिनी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सके तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगे। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपकी पत्नी आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेगी तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगे।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाले प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगे। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहते हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।